सार-समाचार

निगम ने ट्रांसफार्मरों के चारों तरफ रैलिंग लगाना शुरू किया

सांभरझील, (निसं)। इंसानों व निराश्रित घूमते पशुओं को संभावित ख़तरों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के स्तर से सराहनीय पहल शुरू कर सड़कों के नजदीक व घनी आबादी के आसपास स्थापित छोटे व बड़े ट्रांसफरों के चारों तरफ रैलिंग लगाने का काम इन दिनों युद्ध स्तर पर अभियान विशेष के तहत किया जा रहा है। इस कार्य को यहां के लोगों ने तारीफे काबिल बताया है। कनिष्ठ अभियंता सुरेश विश्नोई बताते हैं कि सांभर में चालीस के करीब ऐसे टांसफार्मर चिन्हित भी कर लिए गए हैं, जिनके चारों तरफ रैलिंग लगाना सुरक्षा के लिहाज से काफी जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि फुलेरा में भी 40 के करीब ट्रांसफार्मरों के चारों रेलिंग लगाई जाएगी तथा इसी प्रकार रेनवाल व जोबनेर क्षेत्र में भी इस काम को प्रभावी ढंग से किया जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला प्रमुख की जीत पर हर्ष जताया

सांभरझील। जिला प्रमुख के पद पर यशवीर सुरा के निर्वाचित होने पर यहां के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त हर्ष की लहर दौड़ गई। इस खुशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए इसे भाजपा की तानाशाही सरकार के लिए करारा तमाचा बताया। कांग्रेस नेता नजमुल हसन उस्मानी का कहना है कि प्रदेश के मुखिया को यह भली भांति से पता था कि पंचायत चुनाव में उनकी पराजय को कोई नहीं टाल सकता इसलिए वे बार-बार चुनाव करवाने से बचते रहे लेकिन हाईकोर्ट की दखलअंदाजी के बाद आखिरकार उनको चुनाव करवाने का प्रदेश में निर्णय लेना पड़ा और जिसका परिणाम आज सबके सामने है। पूर्व पार्षद सिराजुद्दीन मंसूरी का कहना है कि भाजपा की कमर तोड़ महंगाई से जनता त्रस्त है, इसलिए पंचायत चुनाव में क्षेत्र की जनता ने भाजपा को अपना असली आइना दिखाने का काम किया है। कांग्रेस नेता कैलाश शर्मा, दिनेश शर्मा, पंडित रतनलाल शर्मा, अरविंद मेहरडा, कैलाश सकरवाल, नवल किशोर सोनी, इरफान कुरैशी, मंजूर अली एडवोकेट ने बाड़मेर के गफूर अहमद के जिला प्रमुख बनने पर हर्ष जताया तथा दोनों ही निर्वाचितों को अपनी-अपनी ओर से बधाई संदेश प्रेषित किया। कांग्रेसियों कहना है कि कांग्रेस की प्रचंड जीत से यह सिद्ध हो गया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पर्ची वाली सरकार की विदाई को कोई दुनिया की ताकत नहीं रोक सकती है।

संविधान की पहल को घर-घर पहुंचाने में जुटे है : डॉ बुनकर

शाहपुरा। नगर परिषद् के गांव बिदारा निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता डॉ पूरण मल बुनकर द्वारा घर-घर संविधान पहल कर छात्रों,नागरिकों और हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच संविधान के मूल्यों,मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए गांव गांव जाकर जन्मदिन,सेवानिवृत्ति समारोह,वैवाहिक वर्षगांठ,प्रतिभा सम्मान समारोह आदि में पिछले 7 वर्षों से संविधान प्रस्तावना,डॉ अम्बेडकर जीवनी आदि का नि:शुल्क वितरण कर रहे है। डॉ बुनकर के बताया कि संविधान प्रस्तावना,डॉ अम्बेडकर जीवनी नागरिकों को सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ मौलिक स्वतंत्रता, समानता और विविधता में एकता की गारंटी देता है। घर-घर संविधान का उद्देश्य आम जन को संविधान के महत्व के बारे में शिक्षित करना है। इस पहल का उद्देश्य संविधान के सिद्धांतों,जैसे धर्मनिरपेक्षता,समाजवाद, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के बारे में गहरी समझ को बढ़ावा देना है। इस पहल से नागरिक के रूप में उनके मौलिक अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझने में मदद करने के महत्व पर जोर दिया गया है,साथ ही इस प्रयास से न केवल उनका संवैधानिक ज्ञान बढ़ेगा बल्कि सामाजिक न्याय,एकता और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना भी विकसित होगी।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया, आकर्षक झांकी सजाई

फुलेरा। सिंघानिया धर्मशाला के पास नाका भवन में राजस्थान गौड़ विप्र महासभा फुलेरा शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्व. श्रीनारायण नाका की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायक दिनेश सुरेलिया, महेश कुमार शर्मा, दीपक शर्मा, रामगोपाल शर्मा एवं लेखराज सैनी ने चौपाइयों की मधुर प्रस्तुतियां दीं। वहीं गायक कमलेश शर्मा एवं मोहित नायक ने भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान शैलेंद्र शर्मा नाका, संजय शर्मा, तनिष्क, हर्षिक, देवांशी एंव श्रेयांशी गौड़ ने गायकों का स्वागत किया। भगवान श्रीराम एवं बालाजी की आकर्षक झांकी सजाई गई। कार्यक्रम के समापन पर आरती की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका मंडल अध्यक्ष राजू दाधीच, निर्मल शर्मा, सुरेशचंद सारस्वत, नवनीत शर्मा, अनिल शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, दामोदर कुमावत, मुरारीलाल सिंवाल, सीएल गोठवाल, रामलीला निर्देशक राजेश शर्मा, सचिव देवकीनंदन जांगिड़, कृष्णगोपाल जांगिड़, प्रमोद माथुर, राकेश शर्मा, मोनू सोनी, एवं दीनदयाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टोंक में अलका बैरवा बनी जिला प्रमुख

टोंक। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत जिला प्रमुख पद का निर्वाचन बुधवार को सम्पन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) टीना डाबी ने बताया कि टोंक जिला परिषद के जिला प्रमुख पद के निर्वाचन में डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या 31 थी। इसमें कांग्रेस की अलका बैरवा को 26 मत एवं बीजेपी की प्रियंका बैरवा को 5 मत प्राप्त हुए। इस तरह जिला परिषद टोंक के जिला प्रमुख के पद पर पूर्व निवाई प्रधान अलका बैरवा निर्वाचित हुई है। वही जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस की रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की गई है। 10 साल बाद जिला परिषद की सीट पर कांग्रेस ने कब्जा कियाहै। कांग्रेस प्रत्याशी अलका बैरवा ने भाजपा प्रत्याशी प्रियंका बैरवा को 21 मतों से शिकस्त दी। इस दौरान पूर्व निवाई विधायक प्रशांत बैरवा की पत्नी सुषमा बैरवा ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और अलका बैरवा को शुभकामनाएं देते हुए जिले के बेहतर विकास के लिए एकजुट होकर काम करना हैं।

प्रधान पद की कुर्सी को लेकर विराटनगर में सियासी संग्राम

- **गुर्जर समाज की मांग पर पानी की टंकी पर चढ़े पूर्व सरपंच शीशराम दायमा**
- **सुबह 11 बजे टंकी पर चढ़कर जताया विरोध, शाम 5 बजे तक प्रशासन की समझाइश बेअसर; प्रधान पद पर समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर अड़े रहे दायमा, मौके पर जुटी लोगों की भीड़**

पावटा। विराटनगर पंचायत समिति में प्रधान पद को लेकर चल रही सियासी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। प्रधान की कुर्सी पर किस समाज का प्रतिनिधित्व होगा, इसको लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। गुर्जर समाज को प्रधान पद नहीं मिलने से उपजे असंतोष ने बुधवार को उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष एवं छितौली के पूर्व सरपंच, जिला परिषद वार्ड न.15 से कांग्रेस प्रत्याशी शीशराम दायमा विरोध जताते हुए पानी की टंकी पर चढ़ गए। सुबह करीब 11 बजे दायमा के अचानक पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और विराटनगर में प्रधान पद को लेकर चल रहा सियासी घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया। जानकारी के अनुसार विराटनगर पंचायत समिति में प्रधान पद को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक जोड़-तोड़ और सामाजिक समीकरणों का दौर चल रहा है।

पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के बाद प्रधान पद को लेकर अलग-अलग समाजों की ओर से अपने प्रतिनिधित्व की मांग उठाई जा रही है। इसी बीच गुर्जर समाज को प्रधान पद नहीं मिलने से समाज के लोगों में

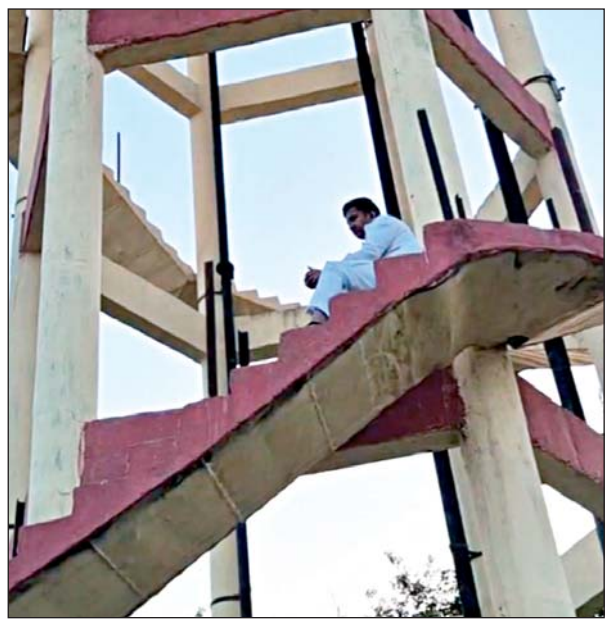

टंकी पर चढ़े दायमा।

नाराजगी सामने आई।

समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर पूर्व सरपंच शीशराम दायमा ने पानी की टंकी पर चढ़कर अपना विरोध दर्ज करवाया। दायमा के टंकी पर चढ़ने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्रों से लोग मौके पर पहुंचने लगे। वार्ड नंबर 15 से शीशराम दायमा कांग्रेस प्रत्याशी थे भाजपा के रोहिताश सिंधु से चुनाव हारे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी तत्काल मौके पर पहुंचे।

वृत्ताधिकारी विराटनगर उमेश निठारवाल, तहसीलदार राजेंद्र तथा विराटनगर थाना प्रभारी बाबूलाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दायमा से बातचीत की और उन्हें नीचे उतरने के लिए समझाइश की। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ यह घटनाक्रम शाम तक जारी रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार बातचीत कर मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास किया। अधिकारियों की ओर से समझाइश का दौर चलाया गया, लेकिन शाम करीब 5 बजे तक कोई सफलता नहीं मिल पाई। शीशराम दायमा अपनी मांग पर अड़े रहे। उनका विरोध गुर्जर समाज को प्रधान पद पर प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने को लेकर था।

वही शाम करीब 5.15 बजे शीशराम दायमा की माताजी व समाज के गणमान्य लोगों द्वारा एक मंच पर समाज की इस समस्या के निस्तारण की समझाइश के बाद शीशराम दायमा टंकी से नीचे उतरे। विराटनगर पंचायत समिति में प्रधान पद को लेकर उपजा यह विवाद अब केवल राजनीतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी बनता नजर आ रहा है। एक ओर प्रधान पद को लेकर राजनीतिक दलों और पंचायत समिति सदस्यों के बीच समीकरण साधने की कवायद जारी है, वहीं दूसरी ओर गुर्जर समाज की ओर से अपने समाज को प्रधान बनाने की मांग ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है।

पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध जताने की घटना ने पूरे क्षेत्र का ध्यान विराटनगर की राजनीति की ओर खींच दिया है। देर शाम तक प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस मामले को किस तरह सुलझाता है और प्रधान पद को लेकर चल रही सियासी उठापटक आखिर क्या नया मोड़ लेती है।

सरपंच पुष्पा बैरवा ने पदभार ग्रहण किया

निवाई। ग्राम पंचायत पलेई की नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा ने विधिवत पूजा अर्चना करके पदभार ग्रहण किया है। सरपंच पुष्पा बैरवा ने पदभार से पूर्व गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना करके जुलूस के साथ सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की। इस दौरान गांव में जगह-जगह पर ग्रामीणों ने सरपंच पुष्पा बैरवा का स्वागत करके बधाई दी। सवा 11 बजे पंडित अजय शर्मा के सानिध्य में मंत्रोचारण के साथ विधिवत पूजा अर्चना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रशासक भवानी सिंह राजावत ने नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा और उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई दीं। नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा का माला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा ने सभी ग्रामीणों, वार्ड पंचों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पलेई ग्राम पंचायत की जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे एवं ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गांव में स्वच्छता, पेयजल, सडक़, शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। इस अवसर पर किसान महापंचायत ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह पलेई, शंकरलाल मीणा, पूर्व सरपंच भवानी

आशा देवी सवाई माधोपुर की जिला प्रमुख बनीं

सवाई माधोपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद सवाई माधोपुर के जिला प्रमुख पद का निर्वाचन बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इंडियन नेशनल कांग्रेस की प्रत्याशी आशा देवी जिला प्रमुख पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुईं।

- **जिला प्रमुख का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न**
- **जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई**

जिला परिषद सभागार में आयोजित प्रमुख के पद पर निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान परिषद के 31 नवनिर्वाचित सदस्यों में से एकमात्र प्रत्याशी आशा देवी का नामांकन प्राप्त हुआ। जांच में नामांकन वैध पाए जाने पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सवाई माधोपुर जिला परिषद के प्रमुख का पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है, जिस पर अनुसूचित जाति महिला जिला प्रमुख चुनी गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने नवनिर्वाचित जिला प्रमुख श्रीमती आशा देवी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित कासनिया सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए।

राम निवास कोटपूतली-बहरोड़ के जिला प्रमुख बने

कोटपूतली-बहरोड़। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ के प्रमुख पद के निर्वाचन का परिणाम घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता द्वारा जारी परिणाम के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी राम निवास जिला परिषद प्रमुख पद पर निर्वाचित घोषित किए गए हैं।

निर्वाचन में राम निवास को कुल 20 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बलवान सिंह को 7 मत मिले। इस प्रकार राम निवास ने 13 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

निर्वाचन में कुल 27 मत डाले गए। सभी 27 मत वैध पाए गए। कोई भी मत निरस्त अथवा निविदत्त नहीं हुआ। वहीं नोटा के पक्ष में भी कोई मत नहीं डाला गया।

अलवर में कांग्रेस की अनीता मीणा बनीं जिला प्रमुख, भाजपा को करारी शिकस्त

अलवर। अलवर जिला परिषद में जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस ने अपना कब्जा बरकरार रखा है। कांग्रेस की अनीता मीणा जिला प्रमुख निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने भाजपा की संतोष मीणा को 23 वोटों के बड़े अंतर से हराया। अनीता मीणा को कुल 39 में से 31 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी संतोष मीणा को केवल 8 वोट हासिल हुए। चुनाव परिणाम ने जिला परिषद में कांग्रेस के मजबूत बहुमत पर मुहर लगा दी।

- **39 में से 31 वोट हासिल कर दर्ज की जीत, भाजपा की संतोष मीणा को मिले महज 8 वोट; कांग्रेस के दो सदस्यों ने क्रॉस वोटिंग कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में किया मतदान**

मतदान के दौरान कांग्रेस के 31 सदस्य बस में सवार होकर जिला परिषद पहुंचे। वहीं भाजपा के 8 सदस्य मतदान के लिए पहुंचे। जिला परिषद की कुल 39 सीटों में कांग्रेस के 33 सदस्य चुनाव जीतकर आए थे, जबकि भाजपा के 4 और दो निर्दलीय सदस्य निर्वाचित हुए थे। इसके बावजूद भाजपा प्रत्याशी को मिले 8 वोटों ने चुनाव में क्रॉस वोटिंग की तस्वीर भी साफ कर दी।

कांग्रेस के दो सदस्यों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। ये दोनों सदस्य पहले ही भाजपा की बाड़ेबंदी में चले गए थे। वहीं दो निर्दलीय सदस्यों ने भी भाजपा प्रत्याशी का साथ दिया। इस तरह भाजपा के चार सदस्यों के साथ कांग्रेस के दो और निर्दलीय दो सदस्यों के वोट मिलाकर संतोष मीणा को कुल 8 वोट मिले।

मतदान से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने दावा किया था कि कांग्रेस के पास 31 सदस्यों का समर्थन है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा ने कांग्रेस के दो सदस्यों को तोड़ने की कोशिश की है। साथ ही उन्होंने भाजपा के भी दो सदस्यों का समर्थन मिलने की उम्मीद जताई थी। हालांकि, परिणाम में कांग्रेस को 31 वोट मिले और भाजपा प्रत्याशी के खाते में 8 वोट आए।

भाजपा ने जिला प्रमुख पद के लिए संतोष मीणा को प्रत्याशी बनाया था। जिला परिषद में भाजपा की ओर से निर्वाचित एसटी वर्ग की वह एकमात्र महिला सदस्य थीं। वहीं कांग्रेस के पास 33 सदस्यों का बहुमत था। दो निर्दलीय सदस्यों की जीत के बाद मुकाबले को लेकर राजनीतिक हलचल बनी हुई थी, लेकिन मतदान के परिणाम ने कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट कर दी।

पीपल विवाह में उमड़ा सैलाब

निवाई। भरकुआं तालाब रोड पर स्थित भोमिया जी महाराज के मंदिर में बुधवार को आचार्य पंडित केदार नारायण शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पीपल विवाह महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

- **शाही लवाजमे के साथ निकली भगवान लक्ष्मीनाथजी की बारात**



पीपल विवाह को लेकर यज्ञ में आहुतियां देते हुए श्रद्धालु।

बुधवार को सुबह पंडित शंकरलाल दुबे ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान का पंचामृत अभिषेक कर विशेष पोशाक धारण करवाई। इसके बाद भगवान को सजी-धजी ट्रैक्टर-ट्रॉली में विराजमान किया गया। जिसके बाद पालिका अध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा ने आरती करके बारात को रवाना किया। बारात शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए भौमिया जी के मंदिर पहुंची। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु व युवक-युवतियां डीजे के मधुर भजनों पर नाचते-गाते चल रहे थे। मंदिर परिसर में शिवदयाल सैनी व प्रहलाद सैनी के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का भव्य स्वागत किया। वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में तोरण की रस्म एवं पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। पीपल का कन्यादान मुख्य यजमान पूर्व पार्षद प्रहलाद सैनी ने किया। इस दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करके 151 दीपकों से महाआरती की गई। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर संत मनीष दास महाराज, पार्षद तनीषा, केशवप्रसाद, पंडित रामअवतार , कमलेश, पार्षद राहुल, शिवदयाल नेता, पार्षद दुर्गालाल, लालचंद, शिवदयाल व हीरालाल सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

जिला अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव 11 दिसंबर को

कोटपूतली। जिला अभिभाषक संघ, कोटपूतली के वार्षिक चुनाव (सत्र 2026-27) आगामी 11 दिसंबर को होना प्रस्तावित है। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने और नई मतदाता सूची तैयार करने के उद्देश्य से संघ की कार्यकारिणी ने सभी सदस्य अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. बजरंगलाल शर्मा व सचिव एड. मुकेश कुमार यादव ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केवल एक ही बार एसोसिएशन की मतदाता सूची में नाम रखने का फोटोयुक्त शपथ-पत्र जमा कराना अनिवार्य है। सभी सदस्य अधिवक्ताओं को 25 से 30 नवंबर की शाम 05 बजे तक जिला अभिभाषक संघ कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों अथवा कार्यालय

- **30 नवंबर तक जमा होंगे शपथ-पत्र**

कर्मचारी महेश स्वामी के समक्ष अपना शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा। शपथ-पत्र के साथ एडवोकेट आईडी/सनद की प्रति तथा एआईबीई पास प्रमाण-पत्र (जिन पर लागू हो) संलग्न करना आवश्यक है। एआईबीई प्रमाण-पत्र का मिलान बार कौंसिल ऑफ राजस्थान की सूची से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शपथ-पत्र जमा करते समय संबंधित अधिवक्ता का लाईव फोटो भी लिया जाएगा। अधिवक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संघ ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय के अवकाश वाले दिन भी कार्यालय में शपथ-पत्र जमा कराए जा सकेंगे। संघ के उपाध्यक्ष एड. नरेन्द्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष एड. अजय सिंह तँवर, पुस्तकालय सचिव एड. रेखा

आबकारी अधिनियम में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतला। जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत निकटवर्ती सरुण्ड थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने आबकारी अधिनियम के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार तथा एएसपी नाजिम अली खान एवं डीएसपी मदनलाल जैफ के सुपरविजन व सरुण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा बुधवार 25 नवंबर को थाना क्षेत्र में फरार अपराधियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि वांछित आरोपी कुजोता मोड़ के पास मौजूद है। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर संदिग्ध को डिटेन किया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रामनिवास (42) पुत्र जयमल उर्फ जगमाल बावरिया निवासी अजीतपुरा कलां, पुलिस थाना सरुण्ड के रूप में हुई है। पुलिस अब आरोपी से मामले में आगे की पूछताछ कर रही है।

देवली में मंदिर से चांदी के छत्र चोरी होने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

- **लेकिन चोरी हुए चांदी के छत्र चोर से बरामद किया जाना अभी बाकी ।**

देवली (निसं)। पिछले कई दिनों से शहर में एक के बाद एक हो रही चोरी के एक मामले मे पुलिस को फोरी फोरी सफलता मिली है। इस मामले में देवली पुलिस ने चोर तक पहुंचने में जरूर थोड़ी फुर्ती दिखाई है। शायद इसलिए कि यह चोरी पुलिस थाने के बेहद करीब स्थित बावड़ी बालाजी मंदिर मैं हुई थी। यहां बावड़ी बालाजी मंदिर में हुई चोरी के बाद से पुलिस की साख पर गंभीर सवाल उठना शुरू हो गए थे। शायद इसी के मध्य नजर देवली पुलिस ने बावड़ी बालाजी मंदिर में हुई चोरी के मामले में अपनी सक्रियता दिखाते हुए सीसीटीवी कैमरो की मदद लेते हुए आखिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बावड़ी बालाजी में हुई चोरी के मामले में बनाई गई स्पेशल टीम ने जिस युवक चोर को गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी के खिलाफ पहले से ही चोरी इत्यादि अपराध के 13 मुकदमे पुलिस थानों में दर्ज हे।

शहर के बावड़ी बालाजी मंदिर में हुई चोरी की घटना के बाद बुधवार को



पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

देवली पुलिस ने इस मामले में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। लेकिन चोरी हुए दो चांदी के छत्र चोर से बरामद किया जाना फिलहाल बाकी है। पुलिस के अनुसार उक्त आरोपी आदतन अपराधी बताया गया है। पुलिस ने बताया कि उक्त आरोपी चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग स्थानों पर छिपकर रहा करता था। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में 18 नवंबर को देवली शहर के प्रसिद्ध बावड़ी बालाजी मंदिर से अज्ञात चोर चांदी के दो 500 ग्राम वजनी छत्र चोरी कर ले गए थे। इस मामले में मंदिर पुजारी के द्वारा घटना की रिपोर्ट देवली पुलिस थाने में दर्ज करवा दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने थाने में मामला दर्ज कर तुरंत प्रभाव से अनुसंधान शुरू कर दिया इसी के साथ उक्त मामले में टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा और देवली सर्किल इंचार्ज डीएसपी मदन ढाका के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर देवली थाना प्रभारी प्रीती रत्नू ने एक विशेष टीम गठित की और चोरी की वारदात का खुलासा करने के निर्देश दिए। इसी के चलते अनुसंधान के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शहर के उक्त स्थान के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरो की मदद लेना शुरू कर दिया। इसी के साथ विशेष टीम ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ शुरू कर दी और शहर के, संदिग्धों पर निगरानी रखना शुरू कर दिया। इसी बीच पुलिस जांच में आरोपी से जुड़ा मामला यह सामने आया कि बावड़ी बालाजी मंदिर से चांदी के दो छत्र चोरी करने वाला आरोपी मोग्या जाति का होने के कारण स्थायी आवास पर नहीं रहता था। और चोरी की वारदात के बाद अलग-अलग स्थानों पर जंगलों में छिपकर पुलिस को चकमा देने का प्रयास कर रहा था। इसी बीच विशेष टीम पुलिस ने उक्त आरोपी को देवली उपखंड क्षेत्र के दूनी की पहाड़ियों के पास से गिरफ्तार कर लिया है । देवली पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुशीराम उर्फ अंकेश पुत्र रतनलाल मोग्या निवासी चराई, थाना सदर जिला टोंक के रूप में की है। मंदिर से चोरी के इस मामले मे गिरफ्तार आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। और चोरी हुए चांदी के दो छत्रों की बरामदगी तथा उसके अन्य साथियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

रणथम्भौर में पुराने पर्यटक वाहनों का होगा पंजीकरण

सवाई माधोपुर। रणथम्भौर में पर्यटन व्यवस्था के सुचारू संचालन एवं पर्यटक वाहनों की निर्धारित मानकों के अनुरूप फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन सत्र 2026-27 में 11 वर्ष से अधिक पुराने 109 वाहनों का पंजीकरण/नवीनीकरण किया जाएगा।

- **फिटनेस जांच के बाद ही मिलेगी पर्यटन सत्र 2026-27 में पार्क भ्रमण की अनुमति, आवेदन 2 दिसंबर तक जमा कर सकेंगे वाहन मालिक**

उप वन संरक्षक (पर्यटन) रणथम्भौर बाघ परियोजना संजीव शर्मा ने बताया कि पर्यटन के सुगम संचालन के लिए पर्यटन सत्र 2026-27 में 11 वर्ष से अधिक पुराने होने के कारण बाहर हुए 109 वाहनो को जब तक नवीन वाहनों का पंजीकरण नहीं होता है केवल तब तक के लिए इस पर्यटन सत्र 2026-27 (30 जून 2027 तक) हेतु पार्क में पर्यटक के भ्रमण के लिए फिटनेस जांच के उपरान्त नवीनीकरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वाहन मालिकों को पंजीकरण/नवीनीकरण के लिए निर्धारित आवेदन पत्र के साथ वाहन के आवश्यक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां कार्यालय में जमा करवानी होंगी। आवेदन एवं वाहन को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण कार्यात्मक निरीक्षण के लिए पंजीकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

आवेदन पत्र 200 रुपये शुल्क नकद जमा करवाकर 27 नवंबर 2026 तक कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे। आवेदन 26 नवंबर से 2 दिसंबर 2026 को शाम 5 बजे तक जमा करवाए जा सकेंगे। निर्धारित अवधि के बाद आवेदन विलंब शुल्क 2 हजार रुपये के साथ 5 दिसम्बर, 2026 तक जमा करवाए जा सकेंगे।

उप वन संरक्षक (पर्यटन) ने संबंधित वाहन मालिकों से निर्धारित समयावधि में आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करवाकर पंजीकरण/नवीनीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।